न्यूज डायरी

राष्ट्रपति गोटाबाया ने किन चार मंत्रियों को सौंपी कमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में जारी अव्यवस्था व लोगों के विरोध के बीच राष्ट्रपति गोटाबाया ने सोमवार को देश के लिए चार नए मंत्रियों के हाथ में विभिन्न पदों की कमान सौंप दी। इस क्रम में उन्होंने श्रीलंका के नए विदेश मंत्री के तौर पर जी एल पेरिस को नियुक्त किया और नए वित्त मंत्री का पद अली साबरी को सौंप दिया है। श्रीलंका में शनिवार को 36 घंटे का लंबा कर्फ्यू लगाया गया था, जो सोमवार सुबह हटा दिया गया, लेकिन देश में अब भी इमरजेंसी के हालात हैं। इस क्रम में देशभर में इस्तीफे का दौर जारी है। कैबिनेट के बाद अब श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर ने भी अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। बता दें कि 26 सदस्यीय श्रीलंकाई कैबिनेट ने अपना इस्तीफा सौंप दिया, लेकिन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे का नाम इसमें शामिल नहीं है।

रूस में गहरा रहा जरूरी दवाओं का संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच मास्को में अब दवाओं की कमी महसूस की जा रही है। सोशल मीडिया के जरिए लोग लगातार इस कमी की जानकारी शेयर कर रहे हैं। इनमें कहा जा रहा है कि जंग और इसकी वजह से ली पाबंदियों के चलते दवाओं की सप्लाई में कमी आई है। कुछ दवाएं तो ऐसी हो गई हैं जो कहीं भी नहीं मिल पा रही हैं। ये केवल मास्को का ही हाल नहीं है बल्कि देश के कई दूसरे शहरों में भी ऐसा ही हाल दिखाई दे रहा है। दवाओं के न मिलने की वजह से मरीजों को भी मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ रहा है। ये हाल तब है जब रूस में कोरोना महामारी का संकट लगातार बना हुआ है और यहां पर अब भी हजारों में मामले सामने आ रहे हैं। दवा की तलाश में निकले कजान के रहने वाले एक व्यक्ति ने एपी से बातचीत के दौरान बताया कि उसको किसी भी फार्मेसी पर दवा नहीं मिली है। उसने बताया कि वो अपने पिता के लिए दवा की तलाश करते हुए थक गया है।

आखिर किसने हिलाई थी इमरान खान सरकार की नींव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान में जारी राजनीतिक अस्थिरता के बीच भले ही इमरान खान को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने केयरटेकर पीएम बने रहने का आदेश दिया है, लेकिन विपक्ष राष्ट्रपति के इस आदेश को भी मानने के लिए तैयार दिखाई नहीं दे रहा है। हालांकि, ये भी सच है कि विपक्ष ने अब तक राष्ट्रपति द्वारा इस संबंध में जारी नोटिफिकेशन पर कुछ नहीं कहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिर सूरी द्वारा विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने के मामले में सुनवाई शुरू कर दी है। इन सभी के बीच पीएम इमरान खान लगातार एक ही बात दोहरा रहे हैं कि ये सब कुछ विदेशी ताकतों की साजिश के तहत किया गया है। वहीं यदि दूसरी तरफ पाकिस्तान में बीते चार वर्षों के दौरान घटी राजनीतिक सरगर्मियों पर नजर डाली जाए तो इस बात की तस्दीक होती है कि जो कुछ रविवार को नेशनल असेंबली में घटा उसकी पटकथा तो इमरान खान के सत्ता में बैठने के कुछ समय बाद ही लिखनी शुरू हो गई थी।

श्रीलंका में कर्फ्यू के बावजूद बिगड़े हालात, 600 गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका में 36 घंटों के राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का उल्लंघन करने और देश के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के मद्देनजर सरकार विरोधी रैली आयोजित करने का प्रयास करने के लिए रविवार को देश के पश्चिमी प्रांत में 600 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सरकार द्वारा लगाए गए सप्ताहांत कर्फ्यू का उल्लंघन करने के लिए विपक्षी सांसदों ने अपने नेता सजित प्रेमदासा के नेतृत्व में ऐतिहासिक इंडिपेंडेंस स्क्वायर की ओर विरोध मार्च निकाला था। सरकार ने विरोध प्रदर्शन के इस पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मद्देनजर शनिवार को कर्फ्यू की घोषणा की थी। प्रेमदासा का कहना था, श्हम प्रदर्शन करने से संबंधित जनता के अधिकारों का हनन करने के लिए सरकार द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश का दुरुपयोग करने का विरोध कर रहे हैं।

इमरान ने संविधान का गला घोंटा है और कानून को तोड़ा

बिलावल भुट्टो और शाहबाज शरीफ ने इमरान पर साधा निशाना

गुहार

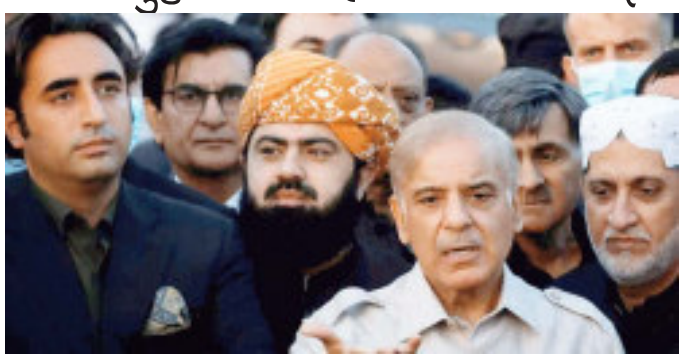

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री इमरान खान के देश में संसद को भंग करके आम चुनाव कराने के फैसले पर देश के विपक्षी दल बुरी तरह से भड़क उठे हैं और सुप्रीम कोर्ट से न्याय की मांग की है। पाकिस्तान की प्रमुख विपक्षी पार्टी पीएमएल एन के नेता शाहबाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान देश में नागरिक मार्शल लॉ लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमरान खान का कदम संविधान विरोधी है। वहीं बिलावल भुट्टो ने कहा कि इमरान खान ने संविधान का गला घोंटा है और साजिश के तहत कानून को तोड़ा गया।

बिलावल भुट्टो ने कहा, इमरान खान ने पाकिस्तान के साथ साजिश की है। इमरान खान ने डिप्टी स्पीकर के साथ मिलकर संवधिधान को तोड़ा है। हमारा सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध है कि आपके फैसले मुल्क का इतिहास लिखा जाएगा। आप यह साबित करिए कि संविधान कागज का टुकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि इमरान खान की सत्ता खत्म होने से देश में जश्न का माहौल है। बिलावल ने कहा कि इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई के सदस्यों ने पाकिस्तान के संविधान को चुनौती दी है।

इमरान के कदम पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही है सुनवाईः पाकिस्तान के विपक्षी दलों का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब देश के सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के खिलाफ नेशनल असेंबली में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने और खान की सिफारिश पर सदन भंग करने को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी दिए जाने के मामले पर सोमवार को सुनवाई होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने देश में मौजूदा राजनीतिक हालात पर स्वतः संज्ञान लिया था। देश के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इमरान खान की सिफारिश पर नेशनल असेंबली (एनए) को भंग कर दिया है।

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने कहा है कि संघीय मंत्रिमंडल को भंग कर दिया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री इमरान खान संविधान के अनुच्छेद 224 के तहत अपने कर्तव्यों को जारी रखेंगे। इससे पहले रविवार को, नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ बहुप्रतीक्षित अविश्वास प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह संविधान के अनुच्छेद 5 के विपरीत है। बर्खास्तगी के कुछ ही मिनटों बाद एक टेलीविजन संबोधन में, खान ने घोषणा की कि उन्होंने राष्ट्रपति अल्वी को सभी असेंबली को भंग करने की सलाह दी थी, जिससे मध्यावधि चुनाव का मार्ग प्रशस्त हुआ। राष्ट्रपति ने प्रस्ताव पर ध्यान देते हुए नेशनल असेंबली को भंग कर दिया और सूत्रों के अनुसार 90 दिनों की अवधि के भीतर चुनाव होंगे।

पाक सेना का कोई लेना-देना नहींरू डीजी आईएसपीआरः पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने देश में राजनीतिक उठा पटक होने के कुछ घंटों की अवधि के बाद जियो न्यूज को कहा कि रविवार को जो हुआ, उससे पाकिस्तानी सेना का कोई लेना–देना नहीं है।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भी किया गैर संवैधानिक काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान में जारी राजनीतिक संकट के बीच देश के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर ने कहा है कि रविवार को जो कुछ नेशनल असेंबली में हुआ वो संविधान का खुला उल्लंघन था। उन्होंने ये भी कहा है कि जो काम इमरान खान के इशारे पर असेंबली के डिप्टी स्पीकर ने किया वही काम राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भी किया है।

बता दें कि डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी ने इमरान खान सरकार के खिलाफ लाए गए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को गैरकानूनी बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद नेशनल असेंबली में जबरदस्त हंगामा भी हुआ। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में रविवार को ही संज्ञान लेते हुए एक आदेश पारित किया था। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अब के बाद इमरान खान और राष्ट्रपति आरिफ अल्वी बिना सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के कोई भी आदेश पारित नहीं करेंगे। हामिद मीर ने इस संबंध में किए गए अपने ट्वीट में कहा है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मजाक बनाया है। पहले राष्ट्रपति ने इमरान खान को पीएम के तौर पर डीनोटिफाई करने का आदेश दिया और इसके बाद उन्हें केयरटेकर पीएम बनाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मजाक बनाया है।

यूक्रेन बूचा इलाके में जमकर तबाही, सैकड़ों शव मिले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस–यूक्रेन युद्ध का 40वां दिन है और इस भीषण युद्ध में रूसी सेना की बर्बरता अब दुनिया के सामने एक–एक करके सामने आ रही है। यूक्रेन की राजधानी कीव से सटे बूचा इलाके पर फिर से कब्जा कर लिया है और यहां पर 410 शव मिले हैं। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि बूचा में रूसी सेना के चेचेन लड़ाकुओं ने नरसंहार किया है। हालत यह थी कि इस इलाके में जब कई दिनों के बाद यूक्रेन की सेना दोबारा घुसी तो उसे सड़कों पर हर तरफ लाशें ही लाशें दिखाई दीं। इन लाशों के हाथ पीछे से बंधे हुए थे जिससे माना जा रहा कि उन्हें प्रताड़त करके गोली मारा गया था। रूस ने इन आरोपों का खंडन किया है लेकिन बूचा से आ रही तस्वीरें दिल को दहला दे रही हैं।

अमेरिकी इतिहास में पहली बार मुस्लिमों ने टाइम्स स्क्वायर पर पढ़ी नमाज, छिड़ी बहस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। अमेरिका के इतिहास में पहली बार मुसलमानों ने तरावीह की नमाज को न्यूयॉर्क के विश्वप्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर की सड़क पर अदा किया है। अपनी तरह की इस दुर्लभ घटना में हजारों की तादाद में मुस्लिम इकट्ठा हुए और शनिवार को रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने पर तरावीह की नमाज पढ़ी। इस बीच मुस्लिमों के सड़क पर नमाज पढ़ने से सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। कई लोग जहां टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने का समर्थन कर रहे हैं, वहीं बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो इसका खुलकर विरोध कर रहे सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है और विरोध भी हो रहा हैं। गल्फ टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब मुस्लिमों ने टाइम्स स्क्वायर जैसी चर्चित जगह पर नमाज पढ़ी है। इस कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि अमेरिका में रह रहे मुस्लिम चाहते थे कि रमजान को न्यूयॉर्क सिटी के इस बहुचर्चित स्थान पर मनाया जाए और दूसरों को यह बताया जाए कि इस्लाम एक शांतिपूर्ण धर्म है। आयोजकों ने कहा कि इस्लाम को लेकर पूरी दुनिया में कई गलत धारणाएं हैं।

लोगों का रास्ता रोकने की कोई जरूरत नहींः आयोजकों ने कहा, हम सभी लोगों को अपने धर्म के बारे में बताना चाहते थे जो इसके बारे में नहीं जानते थे। इस्लाम शांति का धर्म है। मुस्लिमों का पवित्र रमजान महीना शनिवार को शुरू हुआ है। चांद दिखाई देने के बाद रमजान का ऐलान किया गया था। इस बीच टाइम्स स्क्वायर पर नमाज पढ़ने को लेकर सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है। यह टॉप ट्रेंड कर रहा है। इस आयोजन की कई लोग कड़ी आलोचना भी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय यूएई निवासी हसन सजवानी लिखते हैं, सड़क पर नमाज पढ़ने से लोगों को असुविधा होती है। अकेले न्यूयॉर्क में 270 से ज्यादा मस्जिदें हैं और नमाज पढ़ने के लिए ज्यादा अच्छा स्थान हैं।

शंघाई में बड़े स्तर पर शुरू हुआ कोविड टेस्ट अभियान, मदद के लिए उतारी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण हाहाकार मचा हुआ है। राष्ट्र स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि बीते 24 घंटे में यहां कोरोना के 1366 नए मामले सामने आए हैं। न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, चीन के जिलिन में 836, शंघाई में 436 और फुजियान में कोरोना के 16 नए केस मिले हैं। इसके साथ ही रविवार को कोरोना से 1848 लोग ठीक भी हुए हैं। चीन में अभी कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 25,724 है, जिनमें से 54 मरीजों की हालत गंभीर है। हालांकि, इस दौरान कोरोना से अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। चीन में अभी तक कोरोना से 4,638 लोगों की जान जा चुकी है। इसी बीच, शंघाई में शुक्रवार को व्यापक कोविड 19 टेस्टिंग अभियान का दूसरा चरण शुरू किया गया है। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से ये जानकारी दी है। करीब ढाई करोड़ की आबादी वाले शंघाई में बीते दिनों कोरोना के 358 मामले सामने आए। एजेंसी ने बताया कि 4,144 लोगों में लक्षण नहीं थे।